frastructural facilities for setting up computer software units in the capital *to* offer self-employment opportunities to computer professionals; and

(b) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P.J. KURIEN) : (a) and (b) According to Delhi
Administration, a proposal relating to infrastructural facilities for setting up Computer Software Units is at conceptual stage of Delhi State Industrial Development Corporation. The proposal is yet to be submitted to Delhi Administration for approval.

Cheap means of transport for rural areas

1276. SHRI MENTAY PADMA-NABHAM : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the news items which appeared in the 'Financial Express' dated February 10, 1992 capttcned "Rural India's LCV at Rs.33,000 beats industry's giants" ;

(b) what steps are being taken to provide cheap means of travel to rural areas;

(c) whether Government propose to encourage indigenous technology in this regard ; and

(d) what staps are being taken to institutionalise such methods of transport in rural areas and up grade their technology ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI PJ. KURIEN) : (a) Yes, Sir.

(b) to (d) The provision of transport in rural areas is the concern of respective State Governments,

With a view to accelerate the growth of production and its availability manufacture of commercial vehicles has been delicensed under the New Industrial Policy.

मैसर्स त्रिवेणी स्ट्रक्चरल कम्पनी लिमिटेड को हुआ घाटा

1277. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इलाहाबाद ने नैनी स्थित त्रिवेणी स्ट्रक्चरल कम्पनी लिमिटेड इस समय घाटे में चल रही है ; यदि हां, तो इस समय उसका कुल घाटा कितना है ;

(ख) क्या उपयोगी लोहे को स्क्रैप के रूप में बेचने की योजना कार्यान्वित कर दी गई है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या इस योजना के विरुद्ध कोई शिकायतें प्राप्त हुई हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०के० थुंगन) : (क) जी हां, दिनांक 31-3-1991 तक कम्पनी की संचित शुद्ध हानि 22.34 करोड़ रुपये थी। चालू वित्तीय वर्ष (1991-92) के दौरान, शुद्ध हानि लगभग 7.00 करोड़ रु० होने की संभावना है ।

(ख) से (ङ) कम्पनी, खुली निविदा के माध्यम से बिक्री द्वारा, कम्पनी के उपयोग में न आने वाले केवल बेकार टुकड़ों और कटे टुकड़ों का निपटान करती है। यद्यपि एम०एस० स्क्रैप के निपटान में राफरी के बारे में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, तथापि जांच करने पर उसे निराधार पाया गया ।